राज्यपाल सचिवालय

लोकभवन राजस्थान

साध्वी डॉ. कुमुद लता जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान'

राज्यपाल ने तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि आदर्शों को आत्मसात करने का किया आह्वान

जयपुर, 14 फरवरी। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे शनिवार को साध्वी डॉ. कुमुद लता जी महाराज के सानिध्य में आयोजित 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान' में सम्मिलित हुए। उन्होंने महासती डॉ. कुमुद लता को प्रणाम निवेदित करते हुए उनका आशीर्वाद लिया।

श्री बागडे ने इस दौरान कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति है। उन्होंने जैन धर्म के तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साधु–साध्वियों के पुण्य प्रताप से ही भारत की धर्म–धरा सदा ज्ञान में संपन्न और समृद्ध रही है। उन्होंने 'शांति एवं सद्भाव अनुष्ठान' को भारतीय संस्कृति की महान परंपरा बताया।

राज्यपाल ने कहा कि अनुष्ठान क्रियाकांड नहीं, बल्कि स्वयं को एक अनुशासन में ढालना है। उन्होंने मनुष्य के उत्कर्ष और कल्याण के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान केवल सूचनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि ज्ञान वह है जो जीवन को प्रकाशित कर दे। उन्होंने साध्वी डॉ. कुमुद लता जी के जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए समाज और धर्म के लिए श्रेष्ठ कार्य करने वाले जनों का अभिनंदन भी किया।

राज्यपाल श्री बागडे ने छात्र–छात्राओं से किया संवाद, 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के लिए कार्य करने का किया आह्वान

लोकभवन में जम्मू कश्मीर के विद्यार्थियों ने राज्यपाल से की मुलाकात

जयपुर, 14 फरवरी। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे से शनिवार को लोकभवन में "भारत दर्शन यात्रा" के तहत जम्मू कश्मीर के छात्र-छात्राओं ने मुलाक़ात की।

राज्यपाल श्री बागडे ने इस दौरान विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर सनातन संस्कृति का गढ़ रहा है। यहीं कभी शारदा पीठ ज्ञान का उन्नत केन्द्र था। उन्होंने विद्यार्थियों को विविधता में एकता की भारत भूमि को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बताते हुए छात्र–छात्राओं को राष्ट्र के लिए समर्पित होकर भविष्य की दिशाओं का निर्धारण का आह्वान किया। उन्होंने भारत दर्शन यात्रा की विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

KIRAN KUMAR K S